दैनिक कार्यक्रम

प्रथम दिवस – 15 नवम्बर २०१८		
समय	**कार्यक्रम**	**विषय**
सुबह ७. ३० से १०.००	नाश्ता + पंजीकरण	
सुबह १० से १०:३०	उदघाटन सत्र	वन्दना गीत (१० मिन) + स्वागत + इस सम्मेलन की रुप-रेखा (१० मिन) + जीवन विद्या योजना फिल्म (१० मिन)
सुबह १०:३० से ११:३०	योजना में प्रगति	सारे स्थान/केन्द्रों से सारांश रिपोर्ट (२० मिनट) व्यष्टि अध्ययन (case study): (प्रत्येक २० मिनट) 1. शिक्षा का मानवीयकरण: 2. परिवार मूलक व्यवस्था में जीने का प्रयोग:
सुबह ११:३० से ११:४५	मुख्य वक्तव्य	शिक्षा (संस्कृति), आचरण (सभ्यता), संविधान, व्यवस्था में 'विकल्प' का स्वरुप:
सुबह ११.४५ से १.००	प्लेनरी सत्र	मानवीय शिक्षा का स्वरुप: अवधारणा, विषय वस्तु, अध्यापन विधियाँ तथा मूल्यांकन
दोपहर १.०० से 3.००	भोजन	
दोपहर 3.०० से ५.3०	५ समानांतर सत्र	विद्यालीन तथा उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दे *
दोपहर ५.3० से ६.००	चाय अवकाश	
६.०० से ८.००	सायंकाल गोष्ठियां (प्रारंभिक प्रस्तुति एवं प्रश्न-उत्तर, जानकारी सत्र)	१) अध्ययन शिविर: सूचना एवं पुस्तकें (जो अध्ययन करना चाहते हैं, उनके लिए) २) अध्ययन गोष्ठियां (जो अध्ययन कर रहे हैं, उन के लिए) ३) नए प्रबोधक समन्वयन (जो लोक शिक्षा में व्यक्त होना चाहते हैं) ४) स्वावलम्बन के स्रोत: उत्पादन, सेवा एवं विनिमय: प्रयोग एवं सफलताएं - कृषि, गृह कार्य, तकनीकी कार्य, इत्यादि ५) युवा सृजन (२५ से कम आयू वर्ग) (नयी पीढी हेतु)
रात्रि ८. ०० से ९.३०	भोजन	

द्वितीय दिवस - 16 नवम्बर		
सुबह ७. ३० से ८.४५	नाश्ता	
सुबह ९.०० से १०.३०	अध्ययनशील व्यक्तियों का अनुभव	अपने व्यक्तिगत अध्ययन, स्थिति, सफलता को बताएं
सुबह १०:३० से ११:१५	समीक्षा / रिपोर्टिंग सत्र	मानवीय शिक्षा संबंधित समानांतर सत्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट
सुबह ११.१५ से १२.४५	प्लेनरी सत्र	प्रचलित शिक्षा संकायों में पूर्णता एवं अखंड समाज, व्यवस्था के लिए शिक्षा (आवश्यकता, संकाय, वस्तु & विधि)
दोपहर १२:४५ से १:००	मुख्य वक्तव्य	शिक्षा में 'विकल्पात्मक विधी' से प्रवेश की आवश्यकता, महत्व
दोपहर १.०० से ३.००	भोजन	
दोपहर ३.०० से ५.३०	५ समानांतर सत्र	शिक्षा की वस्तु में पूर्णता एवं व्यवस्था से संबंधित विभिन्न मुद्दे #
दोपहर ५.३० से ६.००	चाय	
६.०० से ८.००	**सायंकाल गोष्ठियां** (प्रारंभिक प्रस्तुति एवं प्रश्न-उत्तर, जानकारी सत्र)	१) अभिभावक विद्यालय (कक्षा १ से १०) में प्रयोग (रायपुर, इंदौर, बुलढाना आदि में), पाठ्यक्रम, पाठ्य पुस्तकें. अध्यापन २) प्रचलित विद्यालीन शिक्षा में समावेश: (छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, दिल्ली में), उनकी स्थिति, संभावनाएँ व भावी योजना ३) उच्च शिक्षा में चेतना विकास मूल्य शिक्षा: द्वारा सार्वभौमिक मानव मूल्यों का समावेश ४) चेतना विकास मूल्य शिक्षा विश्वविद्यालय: स्वरूप, भावी योजना ५) मानव तीर्थ: अवधारणा तथा भावी योजना ६) परिवार समूह व्यवस्था में जीना ((इंदौर, हिंगना-अछोटी) में प्रयास, सफलता, कठिनाईयां, समाधान
रात्रि ८ .०० से ९.३०	भोजन	
९:३० से १०:३०	अगले सम्मेलन निश्चयन हेतु बैठक	प्रतिभागी: प्रत्येक परिचय शिविर, अध्ययन शिविर तथा समूहोंस से १-१ प्रतिनिधि

तृतीय दिवस – 17 नवम्बर		
सुबह ७. ३० से ८.४५	नाश्ता	
सुबह ९.०० से ९.४५	समीक्षा / रिपोर्टिंग सत्र	शिक्षा की पूर्णता एवं व्यवस्था से संबंधित समानांतर सत्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट
सुबह ९.४५ से १०.००	मुख्य वक्तव्य	शिक्षा में 'विकल्पात्मक विधी' से प्रवेश की विधि तथा स्वरुप
सुबह १०:०० से ११:३०	ग्राम विकास	ग्रामीण क्षेत्रो से आये मित्रों का अनुभव: अपने अध्ययन, ग्राम विकास, शिक्षा तथा व्यवस्था में प्रयोग, चुनौतियां, प्राप्त सफलताएं
सुबह ११:३० से १:००	लोकव्यपिकरण योजना में समनवयन: पैनल चर्चा	स्वयं के अध्ययन, तथा लोक शिक्षा, शिक्षा संस्कार, केंद्र व्यवस्था, प्रकाशन, जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में समनवयन हेतु गोष्ठियों का स्वरूप, रिपोर्ट, भावी योजना, एवं प्राप्त लिखित सुझावों पर चर्चा
दोपहर १:०० से २:००	समापन सत्र	१) २-३ नवीन प्रतिभागियों द्वारा अथवा युवकों द्वारा सम्मेलन पर प्रतिपुष्टि २) सम्मेलन में पधारे वरिष्ठ लोगों का पहचान कराना ३) अगले सम्मेलन स्थल को handover ४) सम्मेलन करता (organizers) thanks तथा उनके साथियों का पहचान कराना ५) प्रतिभागियों द्वारा धन्यवादार्पण
दोपहर २.०० से ३.३०	भोजन	
दोपहर ४.०० से ४.३०	चाय	
दोपहर ४.३० से ६.३०	**गुजरात के गणमान्य जनों के साथ गोष्ठी**	**शिक्षा और व्यवस्था की चुनौतियां और समाधान**

समानांतर सत्र : First Day Parallel Sessions: १० topics, 2 in each session.

१) विद्यालयीन शिक्षा की विषय वस्तु और संभावित प्राप्ति

२) विद्यालयीन शिक्षा में शिक्षक का स्वरूप

३) विद्यालयीन शिक्षा में अध्यापन विधियां

४) मानवीय शिक्षा में मूल्यांकन विधियां

५) मानवीय शिक्षा के लिए विद्यालयों का स्वरूप

६) मानवीय शिक्षा में श्रम का महत्व

७) मानवीय शिक्षा में स्नातक का स्वरूप एवं स्नातक शिक्षा की विषय-वस्तु का निर्धारण

८) मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद की दृष्टि में विश्वविद्यालयीन शिक्षा का स्वरूप

९) मानवीय शिक्षा में स्वावलंबन की तय्यारी

१०) प्रचलित उच्च शिक्षा में 'चेतना विकास मूल्य शिक्षा' के प्रवेश का स्वरुप, तय्यारियां, लेख, इत्यादी

समानांतर सत्र : Day 2 Parallel Sessions: Assuming papers in only 10 sessions, 2 in each parallel session

---

शिक्षा की वस्तु में परिमार्जन एवं पूर्णता से संबंधित

१) विज्ञान के साथ चैतन्यपक्ष की शिक्षा का स्वरूप

२) दर्शनशास्त्र के साथ क्रियापक्ष की शिक्षा का स्वरूप

३) मनोविज्ञान के साथ संस्कार पक्ष की शिक्षा का स्वरूप

४) अर्थशास्त्र के साथ प्राकृतिक एवं प्राकृतिक ऐश्वर्य में उपयोग व्यावस्थात्मक पक्ष की शिक्षा का स्वरूप

५) समाजशास्त्र के साथ मानवीय संस्कृति- सभ्यता की शिक्षा का स्वरूप

६) राजनीति शास्त्र के साथ मानवीयता के संरक्षण-संवर्धन की शिक्षा का स्वरूप

७) इतिहास/भूगोल के साथ मानवीयता की शिक्षा का स्वरूप

८) साहित्य के साथ तात्विकता की शिक्षा का स्वरूप

---

*व्यवस्था से संबंधित *

९) शांति और सदभावना के लिए शिक्षा का स्वरूप एवं संभावित शोध क्षेत्र

१०) अखंड समाज सार्वभौम व्यवस्था के लिए शिक्षा स्वरूप एवं संभावित शोध क्षेत्र

११) स्त्री-पुरुष समानता की शिक्षा वस्तु में अवस्थिति एवं उसका निर्धारण

१२) अमीरी-गरीबी में संतुलन के लिए शिक्षा का स्वरूप

१३) ग्राम्य शिक्षा की विषय वस्तु एवं महत्व

१४) परिवार मूलक स्वराज्य व्यवस्था में हर स्तर पर शिक्षा और कौशल्य का स्वरूप

१५) मानवीय संविधान में शिक्षा वस्तु और उसकी सोपनीय अवस्थिति

आप, उपरोक्त में से किसी एक विषय पर अपनी लेख एवं प्रस्तुति कर सकते हैं, या मध्यस्थ दर्शन आधारित कोई और विषय का सुझाव दे सकते है । आपकी प्रस्तुति में एक से अधिक भी लेखक/वक्ता हो सकते हैं

इसके लिए आपको निम्नलिखित करना है ।

1. किसी एक मुद्दे/विषय पर लगभग सौ शब्दों में सारांश (abstract) भेजना है । जिसमें निम्नांकित शीर्ष होना चाहिए ।

- # शीर्षक • प्रस्तावना • उद्देश्य • आपके जीने से संबंध • संभावित निष्कर्ष • key-words/प्रस्तुत मुख्य शब्द , आदि
- # लेखक/लेखकों का नाम, पता, ईमेल, मोबाइल नंबर
- # भाषा: हिंदी /अंग्रेजी /मराठी/गुजराती

सारांश भेजने की अंतिम तिथि: 15 जुलाई, 2018

2. आपकी संक्षेपिका स्वीकृत होने पर आपको पूरा आलेख/शोध-पत्र/निबंध या कम से कम १० और अधिकतम २० स्लाइड का पीपीटी (PPT) हमें प्रेषित करना होगा ।

जिसकी अंतिम तिथि है 15 सितम्बर, 2018

संपर्क:-

आपको सभी Abstract/papers हमें निम्नांकित ईमेल 'ahmsammelan2018@gmail.com' पर प्रेषित करना है।

- उम्मेद नाहटा : 9979877202,
- सुरेन्द्र पाठक : 8527630124,
- मधुसुदन मिश्रा: 9824704057